RAJASTHAN FILM FESTIVAL

नई सोच नई दिशा

स्मारिका

2015

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - नई सोच नई दिशा

एक परिचय

सिनेमा समाज का दर्पण होता है, उस समय के पहनावे, संस्कृति और बोलचाल का परिचायक होता है। लोग उसे देखकर अनुसरण करते हैं, सीखते हैं, सिनेमा के साथ-साथ भाषा भी अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है और राजस्थानी 11 करोड़ राजस्थानियों की समृद्ध भाषा है।

अतः इसी सिनेमा, संस्कृति एवं भाषा का प्रचार-प्रसार करने तथा राजस्थानी सिनेमा से जुड़े कलाकारों को सम्मान प्रदान करने के लिए कंचन कैसेट्स एवं सीरीज ने 28 सितम्बर 2013 को राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के रूप मे एक अवॉर्ड समारोह की नींव रखी, जो आज पूर्णतः एक बड़ी इमारत की शक्ल ले चुका है और ये इमारत दिन-ब-दिन बड़ी होती जा रही है। इसके तहत राजस्थानी सिनेमा से जुड़े सैकड़ों कलाकारों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया जा चुका है और राजस्थानी सिनेमा की बेहतरी के लिए प्रयास करने वाली कई हस्तियों को लाईफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया जा चुका है।

अब यह समारोह दो दिन का होने लगा है। जिसके तहत समारोह के पहले दिन राजस्थानी सिनेमा की दशा एवं दिशा पर एक विशेष परिचर्चा रखी जाती है। इसमें राजस्थानी सिनेमा से जुड़े निर्माता, निर्देशक, लेखक, वितरक, सिनेमा मालिक, तकनीशियन और कलाकारों आदि के साथ विभिन्न कला एवं सांस्कृतिक विभागों के पदाधिकारी शामिल होते हैं और सिनेमा के विभिन्न पहलूओं पर विशेष परिचर्चा की जाती है। अगले दिन विभिन्न केटेगिरीज में कलाकारों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

इस समारोह के सार्थक परिणाम सामने आये हैं और सिनेमा में नये प्राणों का संचार हुआ है। अब कई बड़े बजट की और अच्छी फिल्में बनने लगी हैं। लोगों का ध्यान भी राजस्थानी सिनेमा की तरफ बढ़ने लगा है और सरकार ने भी इन प्रयासों से प्रभावित होकर अनुदान राशि 5 से बढ़ाकर 10 लाख कर दी है जो राजस्थानी सिनेमा के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। अब ये शुभ संकेत देख कर आभास होने लगा है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो राजस्थानी सिनेमा फिर से उन्हीं ऊचाँइयों को छूने लगेगा और राजस्थानी सिनेमा के भी अच्छे दिन आ जायेंगे।

जय जय राजस्थान

RAJASTHAN FILM FESTIVAL

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2015

मैं अकेली ही चली थी मंजिले - जानिब मगर,
लोग मिलते गये कारवां बनता गया।

मैं राजस्थान में जन्मी, पली-बड़ी इसलिए यहाँ की माटी मेरी रग-रग में बसी है और राजस्थान एक ऐसा प्रदेश है जो अपनी कला, संस्कृति, रहन-सहन, रीति-रीवाज आदि में विश्व पटल पर अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है, किन्तु हमारा राजस्थानी सिनेमा अन्य क्षेत्रिय सिनेमाओं की तुलना में उतना सुदृढ़ नहीं है। काम और प्रोत्साहन के अभाव में प्रतिभाएँ पलायन को विवश है।

कला जगत से जुड़ी होने के नाते ये बातें मेरे दिल में शूल की तरह चुभने लगी और राजस्थानी सिनेमा को मंच पर लाने की ठान ली। फलस्वरूप 28 सितम्बर 2013 को कंचन कैसेट्स के बेनर तले राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के रूप में एक बिरवा रोपा जो आज आप सभी के सहयोग से एक विशाल बरगद की शक्ल ले चुका है। ये तो एक शुरूआत है, मेरी दिली तमन्ना है कि राजस्थानी सिनेमा बहुत आगे जाये। अच्छी फिल्में बने, यहां स्टूडियो बने, फिल्म सिटी बने, अच्छे इंस्टिट्यूट हो, जिनमें हमारे कलाकार और तकनीशियन उभर कर आये। किसी को मुम्बई की तरफ भागना न पड़े, हमारी फिल्में दूरदर्शन और अन्य चैनलों पर चले, इन सब बातों के लिए मैं जिंदगी भर प्रयास करती रहूंगी और आप सब का साथ इसी तरह से बना रहा तो राजस्थान फिल्म फेस्टिवल का कद ओर बढ़ेगा।

मित्रों, किसी भी काम की सफलता के लिए एक मजबूत टीम और सहयोग की आवश्यकता होती है और इस राजस्थान फिल्म फेस्टिवल को खड़ा करने में नीरज खण्डेलवाल और मेरी पूरी टीम का अमूल्य योगदान रहा है, मैं इन सभी का शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ, साथ में यह भी कहना चाहूंगी कि हर आयोजन में कुछ कमियाँ रह ही जाती है और मैं हमेशा मेरी कमियों को दूर करने का प्रयास करती हूँ। मेरा उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना न होकर राजस्थानी सिनेमा का सम्पूर्ण विकास करना है। मैं इसके लिए सदैव तत्पर रहूंगी।

जय जय राजस्थान

संजना शर्मा (डायरेक्टर)
''कंचन कैसेट एण्ड सीरीज''

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2015

मैं कोई कलाकार तो नहीं हूँ पर कला और कलाकारों की दिल से इज्जत करता हूँ क्योंकि मुझे कला से बेहद लगाव है और जब राजस्थानी कला, संस्कृति एवं सिनेमा की बात चलती है तो मैं खींचा चला आता हूँ।

मेरे लिए शुरू से ही ये रहा है कि मैं राजस्थानी कला, संस्कृति एवं सिनेमा के लिए कुछ करूँ और एक दिन मुझे 2014 के राजस्थान फिल्म फेस्टिवल को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। मेरा मन प्रसन्न हो गया और मैंने अगले फेस्टिवल से जुड़ने की ठान ली। मैं संजना जी से मिला उन्हें अपने दिल की बात बताई और उन्होंने मान ली। बस फिर क्या था मेरे अरमानों के पंख लग गये और मैंने अपनी कंपनी साईनेक्स विजन को कंचन कैसेट्स का सहभागी बनाकर 2015 के राजस्थान फिल्म फेस्टिवल को सफल बनाया।

अब तो दिल में बस एक ही तमन्ना है कि राजस्थानी कला, संस्कृति एवं सिनेमा विश्व के कोने-कोने में फैले और इसके लिए मैं हर संभव प्रयास करता रहूंगा।

जय जय राजस्थान

देवेन्द्र शर्मा (डायरेक्टर)
साईनेक्स विजन

घणी खम्मा, राम राम,

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल में विगत तीन वर्षों से प्रोग्रामिंग हैड के पद पर कार्यरत हूँ। 2003 में फिल्म मैकिंग में सेन्ट्रल गॉवरमेंट से पास आउट होने के बाद मैं मेरे होम टाउन जयपुर आ गया और यहाँ आकर राजस्थानी कला एवं संस्कृति से जुड़े ऑडियो - विडियो, फिल्में और डॉक्यूमेंट्री करने लगा।

इसी दौरान मेरी मुलाकात कंचन कैसेट्स की एम.डी. संजना शर्मा से हुई और उन्होंने मुझे 2013 में राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के प्रोग्रामिंग हैड के पद पर कार्य करने का प्रस्ताव दिया। मैंने उनके इस प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार किया और तब से लेकर आज तक मैं लगातार इस पद पर कार्यरत हूँ और इस पद की जिम्मेदारी ईमानदारी से निभा रहा हूँ। इस पद के लिए मैं सदैव उनका आभारी रहूँगा।

साथ ही ये भी कहना चाहूँगा कि राजस्थान फिल्म फेस्टिवल हम सबका है हमें मिलजुल कर इसे नई ऊचाँईयों की ओर ले जाना है।

जय जय राजस्थान

अनिल कुमार जैन
प्रोग्रामिंग हैड

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2015

राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। बड़े-बड़े शूरवीरों की धरती, बड़े- बड़े भामाशाहों की धरती, यहाँ की कला एवं संस्कृति विश्व के कोने-कोने में फैली हुई है। कहने का मतलब यह है कि राजस्थान अपने हर क्षेत्र में अग्रणी है किन्तु जब राजस्थानी सिनेमा की बात चलती है तो हमें थोड़ा नीचा देखना पड़ता है। एक वक्त था जब राजस्थानी सिनेमा का डंका चारों तरफ बजता था, हमारे सिनेमा में माधुरी दिक्षित, धर्मेन्द्र, गोविन्दा, असरानी, आलोक नाथ, किरण कुमार जैसे बॉलीवुड के कई कलाकारों ने अभिनय के जौहर दिखाये। 2001 में जगमोहन मून्दड़ा की फिल्म बवण्डर ने कई अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीते लेकिन उसके बाद राजस्थान सिनेमा के विकास की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी है, ये हमारे लिए भी चिन्ता का विषय है।

हांलाकि वर्तमान में राजस्थानी सिनेमा ने पुनः रफ्तार पकड़ी है, कई अच्छी फिल्में बनने लगी है पर ठोस अपील के अभाव में राजस्थानी सिनेमा क्षेत्र विशेष में ही सिमटता जा रहा है और सीमित बजट के कारण फिल्मों का प्रदर्शन प्रमुख शहरों में नहीं हो पा रहा है। इससे मुनाफे की उम्मीद कम ही रहती है।

आज हमें इन्हीं बातों पर आत्म मंथन की आवश्यकता है पर हम आत्म मंथन किये बिना ही खामियों का ठीकरा सरकार वितरक और सिनेमा मालिकों के सर पर फोड़ देते हैं कि इनकी वजह से हमारा सिनेमा उठ नहीं पा रहा है, ये उचित नहीं है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है और आज हमें परिवर्तन की आवश्यकता है। फिल्मकारों को समय के साथ चलने वाली राजस्थानी फिल्में सच्ची लगन, मेहनत, साहस और दृढ़ इच्छा शक्ति से बनाकर पब्लिक का विश्वास जीतना चाहिये। अगर एक बार हमने विश्वास जीत लिया तो फिर पब्लिक सिनेमाघरों तक बिना डोर के ही खींची चली आयेगी।

आज राजस्थानी सिनेमा को सबके सहयोग और एक जुटता की आवश्यकता है आपसी भेदभाव भूलकर कदम से कदम मिलाने की आवश्यकता है। साथ ही राजस्थानी सिनेमा सरकार, समृद्ध निर्माताओं, निर्देशकों, सिनेमा मालिकों, वितरकों, लेखकों, कलाकरों, गीतकारों, तकनीशियनों से भी बड़ी उम्मीद लगाये बैठा है। इन सबके सहयोग बिना राजस्थानी सिनेमा के विकास की कल्पना संभव नहीं है।

आखिर में एक बात ओर कहना चाहूंगा कि मैं तीन साल से लेखक एवं गीतकार के रूप में राजस्थान फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा रहा हूँ। सचमुच राजस्थान फिल्म फेस्टिवल ने हमें बड़ा मन्च दिया है और यह फेस्टिवल राजस्थानी सिनेमा के लिए सार्थक कदम है। मैं सदैव राजस्थान फिल्म फेस्टिवल का आभारी रहूँगा।

जय जय राजस्थान

धनराज दाधीच
लेखक एवं गीतकार

नई सोच , नई दिशा

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2015 के यादगार लम्हे

WWW.RAJASTHANFILFESTIVAL.COM

दशा एवं दिशा

जैसा कि आप जानते है राजस्थान फिल्म फेस्टिवल अब दो दिवसीय होने लगा है और अवॉर्ड समारोह से एक दिन पहले राजस्थानी सिनेमा की दशा एवं दिशा पर एक विशेष परिचर्चा रखी जाती है और इस बार भी राजस्थान सिनेमा की दशा एवं दिशा पर 25 सितम्बर 2015 को एक विशेष परिचर्चा रखी गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बॉलीवुड के जाने माने प्रोड्यूसर डायरेक्टर सावन कुमार टाक ने की। इस परिचर्चा में के.सी. मालू, सत्यवान पारीक, नन्दू जालानी, साबिर खान, अजय शर्मा, आर.के. सारा, मोहन कटारिया आदि के साथ-साथ राजस्थानी सिनेमा से जुड़े निर्माता, निर्देशक, लेखक, तकनीशियन, वितरक, कलाकार आदि ने भाग लिया और राजस्थान सिनेमा की दशा एवं दिशा पर विशेष चर्चा की।

इस मौके पर सावन कुमार टाक ने कहा कि राजस्थानी सिनेमा के बिगड़ते हालात के लिए हम स्वयं जिम्मेदार है। आज दर्शक समझदार हो गये है, उन्हें क्वालिटी चाहिये। ये बात राजस्थनी सिनेमा के निर्माता और निर्देशकों को समझनी ही होगी। सरकार को कोसने के बजाय हमें अपनी गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिये तभी राजस्थानी सिनेमा का उद्धार हो सकता है। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि सिनेमा एक व्यवसाय है और कोई व्यक्ति भावनाओं में बहकर अपना नुकसान नहीं करना चाहेगा, इसलिए हमें इसके लिए मिलजुल कर प्रयास करने होगें, इगो छोड़ना होगा तभी राजस्थानी सिनेमा आगे बढ़ पायेगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के.सी. मालू ने कहा कि जब सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य आदि पर इतना बजट खर्च कर रही है तो कला एवं संस्कृति के साथ सौतेला व्यवहार क्यों ? सरकार को कला एवं संस्कृति विभाग पर भी ध्यान देने की जरूरत है तभी राजस्थानी सिनेमा की स्थिति में सुधार होगा। इसके साथ सभी ने अपने -अपने विचार व्यक्त कर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

जयपुर बाग में सतरंगी हुआ राजस्थानी सिनेमा

समारोह के मुख्य अतिथि बने बॉलीवुड के शोमैन कहे जाने वाले सुभाष घई और समारोह की अध्यक्षता की सूचना एवं प्रसारण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने।

राजस्थानी भाषा, कला, संस्कृति एवं राजस्थानी सिनेमा के कलाकारों को सम्मान प्रदान करने के लिए हर साल की भांति इस बार भी जयपुर बाग, वैशाली नगर में 26 सितम्बर 2015 को कंचन कैसेट्स और साईनेक्स विजन द्वारा राजस्थान फिल्म फेस्टिवल तृतीय अवॉर्ड सैरेमनी का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि थे बॉलीवुड के जाने माने निर्माता - निर्देशक शोमैन सुभाष घई और समारोह अध्यक्षता की सूचना एवं प्रसारण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने। इनके साथ-साथ समारोह में अनूप सोनी, अरूण बख्शी, कोमल नाहटा, स्वरूप खान, अमृता प्रकाश, निर्भय वाधवा, राहुल शर्मा, अनिरूद्ध दवे जैसे बॉलीवुड और टेलीविजन की कई हस्तियां और कलाकार उपस्थित थे।

इस दौरान सुभाष घई ने समारोह की अवधारणा ''नई सोच नई दिशा'' की तारीफ करते हुए कहा कि किसी भी सिनेमा में वहाँ के समाज का गहरा प्रभाव रहता है। समारोह में राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि यह फेस्टिवल राजस्थानी सिनेमा के लिए सार्थक कदम है और वे राजस्थानी फिल्मों को दूरदर्शन पर दिखाने के लिए व्यक्तिगत रूप से आग्रह करेंगे कि सप्ताह में कम से कम एक बार राजस्थानी फिल्म का प्रदर्शन किया जाये।

इस समारोह को बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता अनूप सोनी, आर.जे. मोहित और अरूण बख्शी ने होस्ट करके सभी दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया, साथ ही मीना नाहटा, रविन्द्र उपाध्याय, कबीर और नितिन ने भी भरपूर सहयोग किया। समारोह के बीच होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक रंगों ने दर्शकों का मन मोह लिया और धनराज दाधीच के लिखे, विक्रम सिंह के संगीत बद्ध किये तथा रविन्द्र उपाध्याय व बुन्दू खान द्वारा गाये राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के थीम सॉग 'मेरी जान मेरी शान' ने पूरे माहोल को राजस्थानी रंग में रंग दिया। इस समारोह में लगभग 5000 लोगों की उपस्थिति के बीच राजस्थानी सिनेमा के कलाकारों को सिनेमा की 25 श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इसके साथ ही राजस्थानी सिनेमा की बेहतरी के लिए प्रयास करने वाले कई निर्माता, निर्देशकों व अन्य कलाकरों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा अवॉर्ड सैरेमनी को ई. टी.वी. राजस्थान पर प्रसारित किया गया। इस समारोह में निर्णायक के रूप में श्रीमान् विश्व मोहन भट्ट, निर्देशक विक्की राणावत और कैमरा मैन एस. पप्पू ने अपनी बखूबी भूमिका निभाई।

नई सोच नई दिशा एक सार्थक अवधारणा – सुभाष घई

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि सुभाष घई समारोह के मुख्य अतिथि बने। उन्होंने बड़ी खुशी महसूस करते हुए राजस्थान फिल्म फेस्टिवल की अवधारणा नई सोच नई दिशा को सार्थक बताया और कहा कि अगर कोई नई सोच और नई दिशा के साथ चलता है तो उसकी आधी मुश्किलें तो वैसे ही आसान हो जाती है।

साथ ही उन्होंने ये भी कहा राजस्थान कला, साहित्य और संस्कृति का भण्डार है, हमें हमारे कल्चर को प्रमोट करते हुए फिल्मों का निर्माण करना चाहिये, हमें किसी ओर का अनुसरण न करते हुए स्वयं के साहित्य और संस्कृति का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं है सिनेमा अपनी कला एवं संस्कृति को हर जगह पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम है अगर हमें अपने सिनेमा को उठाना है तो केवल सरकार के भरोसे बैठना उचित नहीं है, हमें स्वयं को प्रयास करने होंगे तभी राजस्थनी सिनेमा आगे बढ़ेगा।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल राजस्थानी सिनेमा के लिए सार्थक कदम - राज्यवर्धन सिंह राठौड़

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल 2015 की अध्यक्षता सूचना एवं प्रसारण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह समारोह राजस्थानी सिनेमा के लिए एक सार्थक कदम है क्योंकि इससे कलाकारों को मंच मिलता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि बेशक हमारे यहां छोटे बजट की फिल्में बनती है लेकिन कहानी को सही तरीके से प्रस्तुत किया जाये तो वे भी पूरी दुनिया में अपना परचम लहरा सकती है। सिनेमा के लिए भाषा कतई बाधा नहीं है। सिनेमा केवल प्रस्तुतिकरण मांगता है अगर वो अच्छा है तो छोटी बात को भी बड़ा होने में वक्त नहीं लगता। राजस्थान ऐसी धरती है जहाँ घर-घर में कहानियाँ है, उन्हें लेकर अगर फिल्में बनाई जाये तो वे निश्चित रूप से विश्वभर में कमाल कर सकती है।

मंत्री होने के नाते उन्होंने ये भी कहा कि मैं दूरदर्शन से व्यक्तिगत रूप से गुजारिश करूंगा कि सप्ताह में कम से कम एक दिन राजस्थानी फिल्म का प्रसारण किया जाये और आप भी सरकार को राजस्थानी सिनेमा की बेहतरी के लिए सुझाव दें। आखिर में उन्होंने सभी को शुभकामनाएँ दी।

मोहन कटारिया को दिया गया लाइफ टाईम अचीवमेंट पुरस्कार

इस बार राजस्थान फिल्म फेस्टिवल में राजस्थानी सिनेमा की बेहतरी के लिए किये गये कार्यों और राजस्थानी सिनेमा में अभूतपूर्व योगदान के लिए निर्माता, निर्देशक एवं अभिनेता श्री मोहन कटारिया को सुभाष घई के हाथों लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया।

परिचय एवं योगदान

मोहन कटारिया विगत तीन दशक से राजस्थानी व हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय है। अब तक के फिल्मी सफर में वे तकरीबन तीन दर्जन से भी अधिक फिल्में और सीरियल कर चुके है। इनकी प्रमुख राजस्थानी फिल्मों में बेटी राजस्थान री, डिग्गीपूरी का राजा, धरती रो धणी, जय करती माता आदि कई फिल्में हैं। इसके अलावा जय श्री श्याम, अपनापन, रिश्ते, सतरंगी लहरियो, तीस मार खां जैसे सीरियल में भी इन्होने अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। हाल ही में आई फिल्म डर्टी पोलिटिक्स में भी इन्होने महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर अपने अभिनय की सक्रियता का सबूत दिया है।

कैटेगिरीज

1.	बेस्ट डायरेक्टर	-	सुनित कुमावत (राजू राठौड़)
2.	बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर	-	राजा हसन (मरूधर म्हारो घर)
3.	बेस्ट बैकग्राऊण्ड म्यूजिक	-	राजा यादव (राजू राठौड़)
4.	बेस्ट सिनेमेटोग्राफर	-	अभिजीत गोगोई (मरूधर म्हारो घर)
5.	बेस्ट एडिटर	-	प्रकाश झा (राजू राठौड़)
6.	बेस्ट कोरियोग्राफर	-	अमित सोनी/मोन्टी (मरूधर म्हारो घर)
7.	बेस्ट एक्टर	-	महेन्द्र गौड़ (मेरो बदलो)
8.	बेस्ट एक्ट्रेस	-	सुहानी गांधी (म्हारी सुपातर बिनणी)
9.	बेस्ट सिंगर मेल	-	रविन्द्र उपाध्याय, रूपकुमार राठौड़, शंकर महादेवन, राजा हसन, स्वरूप खान (मरूधर म्हारो घर)
10.	बेस्ट सिंगर फिमेल	-	खुशबू जैन (म्हारी सुपातर बिनणी)
11.	बेस्ट कॉमिक एक्टर	-	खयाली (मरूधर म्हारो घर)
12.	बेस्ट लिरिक्स राईटर	-	प्यारे चौहान (म्हारी सुपातर बिनणी)
13.	बेस्ट नेगेटिव करेक्टर	-	अशोक बांठिया (राजू राठौड़)
14.	बेस्ट सपोर्टिंग मेल	-	अमर शर्मा (मरूधर म्हारो घर)
15.	बेस्ट सपोर्टिंग फिमेल	-	नीलू (राजू राठौड़)
16.	बेस्ट मेकअप	-	संजय (मरूधर म्हारो घर)
17.	बेस्ट कॉस्ट्यूम डिज़ायनर	-	कविता (राजू राठौड़)
18.	बेस्ट एक्शन	-	प्रदीप भावेश (मेरो बदलो)
19.	बेस्ट आर्ट डायरेक्टर	-	संजय कुमार (राजू राठौड़)
20.	बेस्ट सोंग	-	बन्ना थारी बातां (मरूधर म्हारो घर)
21.	बेस्ट साउण्ड रिकॉर्डिस्ट	-	दीप ज्योति/सीमन्त गोगोई (मेरो बदलो)
22.	बेस्ट मूवी	-	राजू राठौड़
23.	बेस्ट स्टोरी राईटर	-	मुरारी लाल पारीक (मेरो बदलो)
24.	बेस्ट स्क्रीनप्ले	-	मुरारीलाल पारीक (मेरो बदलो)
25.	बेस्ट डॉयलोग	-	मुसाहिद पाशा (मरूधर म्हारो घर)

समारोह के होस्ट व एंकर

अनूप सोनी

आर.जे. मोहित

अरूण बख्शी

रविन्द्र उपाध्याय

मीना नाहटा

कबीर

नितिन

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2015 के यादगार लम्हे

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2015 के यादगार लम्हे

राजस्थान के कलाकारों की यादगार प्रस्तुतियाँ

नेहा श्री

स्वरूप खान

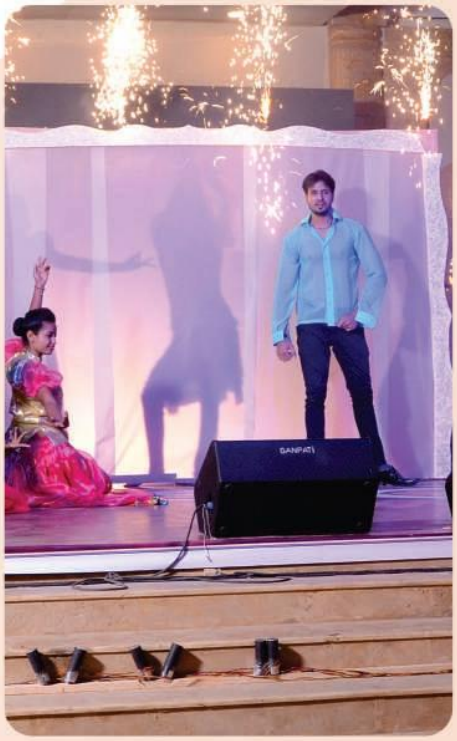

ओनिक

रविन्द्र उपाध्याय, कुनाल वर्मा, रेपरिया बालम, मधु भाट

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2015 की झलकियाँ

शेखावाटी सांस्कृतिक कला मंदिर, सोहन जी ग्रुप, पी.एम. एवं माही की प्रस्तुतियाँ

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल - 2015

राजस्थान अपनी कला, संस्कृति, पहनावे, बोलचाल, रहन सहन, खानपान आदि के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है और हमारी इस सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार के लिए सिनेमा सबसे बड़ा माध्यम है।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल भी विगत तीन सालों से हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का कार्य कर रहा है यह अत्यन्त सराहनीय हैं लेकिन हमें भी हमारे सिनेमा को ऊपर उठाने के लिए भरसक प्रयास करने चाहिये। हमें उच्च गुणवत्ता, बहेतरीन संगीत, सामाजिक मुद्दों तथा हमारी कला एवं संस्कृति से जुड़ाव रखने वाली साफ सुथरी फिल्मों का निर्माण कर हमारे सिनेमा को नई उचाईयाँ प्रदान करनी चाहिये ताकि हमारा राजस्थानी सिनेमा विश्व पटल पर महक सके।

मैं विगत दो सालों से राजस्थान फिल्म फेस्टिवल के निर्णायक के रूप में भूमिका निभा रहा हूँ इसके लिए मैं राजस्थान फिल्म फेस्टीवल का आभार व्यक्त करता हूँ साथ ही स्मारिका ''नई सोच नई दिशा'' के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

पं. विश्वमोहन भट्ट

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल का निर्णायक दल

पं. विश्वमोहन भट्ट
संगीतकार

विक्की राणावत
निर्देशक

एस. पप्पू
सिनेमेटोग्राफर

इस निर्णायक दल ने राजस्थान फिल्म फेस्टिवल, 2015 में निर्णयक के रूप में अहम भूमिका निभाई इसलिए राजस्थान फिल्म फेस्टिवल पं. विश्वमोहन भट्ट, फिल्म निर्देशक विक्की राणावत और वरिष्ठ सिनेमेटोग्राफर एस. पप्पू का आभार व्यक्त करता है।

राजस्थान फिल्म फेस्टिवल 2015 में अवॉर्ड प्राप्त करने वाली प्रमुख फिल्में

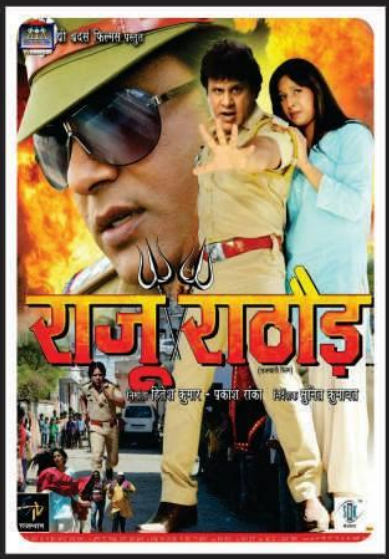

पहली बार हुई राजस्थानी सिनेमा की दशा एवं दिशा पर विशेष परिचर्चा

दो दिवसीय राजस्थान फिल्म फेस्टिवल में 19 सितम्बर 2014 को राजस्थानी सिनेमा की दशा एवं दिशा पर पहली बार एक विशेष परिचर्चा रखी गई। जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लाखावत ने की। इस मौके पर लाखावत ने राजस्थानी सिनेमा के विकास की चर्चा की और सिनेमा से जुड़ी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

इसके साथ अमरसिंह राठौड़, नन्दू जालानी, के.सी. मालू तथा सिनेमा से जुड़े कई निर्माता, निर्देशकों, तकनीशियनों, कलाकारों और लेखकों ने अपने-अपने विचार प्रकट किये। सभी ने कहा कि राजस्थान सिनेमा को सही दिशा में लाने के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ सरकार या अकेले सिनेमा के लोग कुछ नहीं कर सकते। कार्यक्रम में इस बात पर भी विशेष चर्चा हुई कि हमारे राजस्थान बेहतरीन लोकेशन्स है और इनका इस्तेमाल बाहर के लोग आकर कर जाते है लेकिन लोकेशन में छूट नहीं होने के कारण राजस्थानी सिनेमा इसका उपयोग नहीं ले पा रहा है, ये चिन्ता का विषय है। इसके साथ-साथ राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने की बात पर भी विशेष चर्चा हुई।

आर.एफ.एफ. - टीम

संजना शर्मा
फाउण्डर

देवेन्द्र शर्मा
इवेन्ट पार्टनर

अनिल कुमार जैन
प्रोग्रामिंग हेड

दशरथ जोशी
क्रिएटिव एण्ड मेनेजमेन्ट हेड

धनराज दाधीच
लेखक एवं गीतकार

उज्ज्वल शर्मा
एडिटर

निकुन्ज गर्ग
प्रोडक्शन डिज़ाईनर

राजुल सेठी
इवेन्ट कोर्डीनेटर

पूजा शाह
एक्सिक्यूटिव

मयूर मांधनिया
आउटडोर प्रमोशन

अरिहन्त बोहरा
आउटडोर प्रमोशन

खुशाल देवानी
आउटडोर प्रमोशन

संचय सुकलेचा
आउटडोर प्रमोशन

बनवारीलाल शर्मा
(गणपति साउण्ड)
लाईट एण्ड साउन्ड

निक्की, विनय
कोरियोग्राफर

कपिल स्टूडियो
साउन्ड

लालचन्द मीणा, सीताराम शर्मा
राजू जी, चंदूलाल जी, मुकेश जी
एजाज खान, अनुज
विडियो एण्ड लाईट

सुरेन्द्र शर्मा
आउटडोर ब्रान्डिंग

सुनील शर्मा
ब्रान्डिंग मेनेजर

वसीम मलिक
डिज़ाईनर

टीटू राजावत
ब्रान्डिंग एक्सिक्यूटिव

मुकेश शर्मा, उधम सिंह, कोमल कुमावत, रफीक बागवान, हमीद बागवान, दानिश खान, गजानन्द जाँगिड़

S,36, First Floor, JDA Central Market, Amarpali Marg, Amarpali Circle
Jaipur 302021(Raj.) INDIA Mobile: +91-9672017865,8058172000 Off: +91-141-5115548
Website: www.rajasthanfilmfestival.com | E-mail: kseries07@gmail.com,rffjaipur@gmail.com

PRESENTED BY

BIKAJI®
Aslee Bikaneri

CHANNEL PARTNER

ETV राजस्थान

airtel

RFF®

RAJASTHAN FILM FESTIVAL

नई सोच, नई दिशा

OWNED & MANAGED BY

K SERIES
KANCHAN
Cassette & Series

EVENT PARTNER

SINEX VISION

POWERED BY

yepaisa

SAMRIDDHI BUILDERS
enriching lives

VENUE PARTNER: Air India
RADIO PARTNER: Mix FM
CO-POWERED BY: rage smartphones
CO-POWERED BY: Vrinda Group
SOUND PARTNER: Ganpati Sound
BRANDING PARTNER: AD-LAB
TRAVEL PARTNER: Mahindra Rise
IT PARTNER: Cookie Kube Website solution
REFRESHMENT PARTNER: URZZA
HOSPITALITY PARTNER: Safari
HOSPITALITY PARTNER: apple inn
ONLINE MEDIA PARTNER: ask me .com
FOOD N BEVERAGE PARTNER: Jus Samosas
OUTDOOR PARTNER: CHOTAE RAJA
DRESSED UP BY: R
TROPHY PARTNER: Kandhya Enterprises
NETWORKING PARTNER: Unity
CAMERA PARTNER: 2 STAR FILM A 1 Cine Star Light
MAKEUP PARTNER: SMART 'N' SHINY
SPONSOR: RJM Pure Masala
SPONSOR: RAJDHANI
TENTAGE PARTNER: MAPLE PRODUCTION
FOOD N BEVERAGE PARTNER: THE BELLY FEEDS

You Tube https://www.youtube.com/user/kseries1000

+91-9672017865
www.rajasthanfilmfestival.com
kseries07@gmail.com